Title: Requested the Government to adopt new agricultural policy for upliftment of farmers.

श्री अवतार सिंह भडाना (मेरठ) : सभापति महोदय, आज देश में किसानों की जो हालत हो रही है और विशेषकर उत्तर प्रदेश में किसानों की दुर्दशा हो रही है, वह देश की वर्तमान सरकार की गलत नीतियों के कारण है। देश का किसान बर्बादी के कगार पर है। जहां एक तरफ किसानों को पानी, बिजली और सबसिडी मिलनी चाहिये थी, वहां दूसरी ओर उन्हें मारने का काम किया जा रहा है।

सभापति महोदय, पश्चिमी उत्तर प्रदेश का किसान गन्ने की खेती पर निर्भर है। जब किसान का गन्ना मिल में जाता है और वहां से जब पैसा मिलता है, तभी वह अपनी बेटी की शादी करता है और अपने बच्चों को पढ़ाने का काम करता है लेकिन इस सरकार ने इस तरह के कानून बनाये हैं कि वह बैंकों के चक्कर काट-काटकर परेशान है।

सभापति महोदय : इसके लिये क्या होना चाहिये, वह जल्दी बताइये।

श्री अवतार सिंह भडाना : मेरा कहना यह है कि किसानों के लिये ऐसी नीति बननी चाहिये जिससे वह आगे बढ़ सके। साथ ही मैं आपके ध्यान में एक बात और लाना चाहता हूं कि मऊखास में किसानों की जमीन डी.सी.एम. ग्रुप ने ले रखी है जिस पर एक मिल बनायी जानी है लेकिन आज तक वहां मिल नहीं लगी है। मैं इस बारे में पहले भी सरकार का ध्यान दो बार आकर्षित कर चुका हूं। मैं सरकार से जानना चाहता हूं कि जो जमीन डी.सी.एम. ग्रुप ने किसानों की मिल लगाने के लिये ली है, उस पर वह मिल बनेगी या नहीं? यदि नहीं बनेगी तो किसानों को उनकी जमीन वापस दिलाई जाये ताकि वे अपनी रोज-रोटी कमाकर परिवार का भरण-पोषण कर सकें।

सभापति महोदय, अभी इस सदन में एक माननीय मंत्री जी ने इस तरह की बात की जिसका मैं विरोध करता हूं। मैं यह भी कहना चाहता हूं कि इस सरकार ने, खासकर उत्तर प्रदेश में दंगा फैलाने ...(व्यवधान)..

सभापति महोदय : भडाना जी, किसानों के विषय के अलावा और किसी दूसरे विषय पर नहीं। आप बैठ जायें।

श्री सुकदेव पासवान।